उपसंहार

उपसंहार

" वर्ष 2005 की ' हंस ' पत्रिका में प्रकाशित कहानियों का अनुशीलन " के अध्ययन के उपरांत समन्वित निष्कर्ष रुप में जो तथ्य सामने आये वे इस प्रकार हैं -

' हंस ' बहुआयामी साहित्यिक पत्रिका है | इसमें प्रगतिशील विचारों के दर्शन होते हैं | जिससे पाठकों के विचारों को नई दिशा मिल जाती है |

प्रथम अध्याय :- " वर्ष 2005 की विभिन्न परिस्थितियाँ |"

विवेच्य अध्याय में ' वर्ष 2005 ' के 365 दिनों में घटित घटनाओं के आधार पर विविध परिस्थितियों का विवेचन, विश्लेषण करने के पश्चात् निम्नलिखित निष्कर्ष पाये गए हैं |

' वर्ष 2005 ' की राजनीतिक परिस्थिति में विविध उतार - चढ़ाव आये | बाढ़, भूकंप, त्सुनामी से पीड़ित जनता का जीवन सुचारु रुप से प्रारंभ करने का उत्तरदायित्त्व निभाने के लिए राजनेताओं ने राहत कोष द्वारा विविध सुविधाओं का प्रबंध किया | भारत की सांस्कृतिक धरोहर को तहस - नहस करने की आतंकवादी गतिविधियों का राजनेताओं द्वारा विरोध किया गया | राजनेताओं द्वारा देश की प्रगति के लिए नई पहल की गई | भारत - पाकिस्तान के बीच वृद्धि करने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया | देश की जनता द्वारा बिजली का प्रयोग उचित मात्रा में किया जाए | इसलिए सरकारी नीति को अपनाते हुए नये अधिनियम बनाये गए | प्रस्तुत वर्ष राजनेताओं के संदर्भ में भ्रष्टाचार के आरोप, न्यायिक हिरासत इन बातों के लिए विवाद के घेरे में रहा | महिला आरक्षण का मुद्दा इस वर्ष भी कुछ राजनेताओं की दखलअंदाजी के कारण आगे न बढ़ सका | खिलाड़ी और आम जनता के मन में राष्ट्रध्वज का सम्मान देखकर राष्ट्रध्वज का अपने वस्त्रों पर प्रयोग सामान्य जनता भी कर सकती है, यह निर्णय लिया गया | ' विज्ञान ' के क्षेत्र में प्रगति हासिल करके भारत उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिए निर्माण किए गए ' मैत्री ' अनुसंधान केंद्र पर भी गतिविधियों की जाँच के लिए राजनेताओं द्वारा परीक्षण किया गया | अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अंतर्गत भारत ने उचित - अनूचित का ध्यान रखते हुए न्याय का साथ देने हेतु शांति कायम रखने के लिए परमाणु मुद्दे पर ' ईरान के विपक्ष में मत प्रकट

किया | इस प्रकार प्रस्तुत वर्ष राजनीतिक गतिविधियाँ अन्य क्षेत्रों पर छायी रही, जिसने देश कल्याण के लिए विविध योजनाओं, निर्णयों को अंजाम दिया | सामाजिक परिस्थिति के अंतर्गत छात्रों के हित के लिए स्कूल क्षेत्र में मोबाईल बंदी और सर्व शिक्षा अभियान का उचित निर्णय लिया गया | किसानों की दयनीय स्थिति निर्माण होने से विचित्र गर्त में फँसे हुए किसानों ने आत्महत्या की | नक्सलवादियों ने अपना हक़ छीनने के विरोध में समाज - विघातक कृतियों को अंजाम दिया | समाज में दुष्ट आचरण का प्रभाव बढ़ता रहा जिसमें भ्रष्टाचार और आतंकवाद से समाज प्रभावित रहा | प्रस्तुत वर्ष समाज कल्याण की दृष्टि से अदालत द्वारा आम जनता, महिलाओं, व्यसनांध व्यक्तियों के लिए विविध अधिनियम बनाये गए | वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में बैंकों द्वारा उनकी फिक्र किए जानेवाला विशेष अधिनियम भी बनाया गया | ग्रामीण जनता के स्वास्थ्य के लिए नई योजनाओं को कार्यान्वित किया गया | इस प्रकार सामाजिक परिस्थिति में अनुकूल बदलाव दिखाई दिए |

आर्थिक परिस्थिति के अंतर्गत भारतीय जनता की सुविधा और देश की प्रगति दोनों का समन्वय स्थापित करते हुए बिजली निर्माण में वृद्धि, रेल एवं सड़क मार्ग का आधुनिकीकरण, नदियों को जोड़ना इन योजनाओं को बढ़ावा दिया | भारत की शेअर बाजार की स्थिति में वृद्धि तो अंतर्राष्ट्रीय शेअर बाजार में -हास दिखाई देने से भविष्य में जागतिक मंदी के असर दिखाई दिए |

धार्मिक परिस्थिति के अंतर्गत इस वर्ष आतंकवादियों ने घुसपैठ करके और अमृतसर में अपने धर्म का झण्ड़ा फहराने की कोशिश करके धर्मलीक् करनेवाली घटनाओं का प्रदर्शन किया | असावधानी, भीड़ के कारण कुछ धर्मस्थलों पर दुर्घटना घटी तो सुरक्षा बलों की कड़ी व्यवस्था के कारण कुछ धर्मस्थलों पर आतंकवादी कार्रवाईयाँ असफल हुई | इससे श्रद्धालुओं की मनःस्थिति में परिवर्तन दिखाई दिया | कुछ धार्मिक वर्गों ने ' धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र ' भारत की संकल्पना को ठेस पहुँचाने के लिए कोशिशें की जिसमें वे नाकाम हो गए | ईसाई धर्म में सर्वोच्च धर्मगुरु के पद का चुनाव विश्व स्तर पर बहुत ही अमन के वातावरण में संपन्न हुआ | इस तरह धर्म को भ्रष्ट करने की घटनाओं के साथ धर्म को संपन्न बनाने की भी घटनाएँ प्रस्तुत वर्ष घटित हुई |

सांस्कृतिक परिस्थिति के अंतर्गत संगीत और नृत्य की गरिमामयी संस्कृति की झलक और प्रगति की घटनाएँ उल्हासित रही | आम जनता की सुविधा और सांस्कृतिक उत्थान के लिए दूरदर्शन

द्वारा अनेक चैनल्स बढ़ाने के साथ ' उर्दू ' चैनल का आरंभ भी किया गया | सीधापन, सादगी और एकता, विश्वास को बढ़ावा देनेवाले ' दांड़ी यात्रा ' प्रसंग को याद करके जनता ने हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा की | ' राष्ट्रगान ' से ' सिंध ' यह प्रांत संबंधी शब्द न हटाने का निर्णय किया गया |

साहित्यिक परिस्थिति के अंतर्गत अनुवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ' देवदास ' की अनुवादक ' मृणालिनी ' को पुरस्कार देने की घोषणा की गई | बच्चों में अच्छे गुणों का विकास होने, उनके स्तर के अनुसार उनकी मानसिक जरुरतों को अच्छा खाद्य देने के बहाने ' बालकुमार साहित्य संम्मेलन ' का सफल आयोजन प्रस्तुत वर्ष किया गया |

इस तरह, वर्ष 2005 की विभिन्न परिस्थितियों से प्रस्तुत वर्ष जगमगा उठा |

द्वितीय अध्याय :- " विवेच्य कहानियों का सामान्य परिचय "

प्रस्तुत अध्याय के अंतर्गत कहानियों का सामान्य परिचय दिया गया है; जिससे कथानकों में वैविध्य दिखाई देता हैं | कलेवर की दृष्टि से कुछ कहानियाँ लघु तो कुछ बृहद् हैं | आम आदमी को केंद्र बनाकर कहानियों का सृजन हुआ है |

समाज को केंद्र बिंदू मानकर कहानियाँ लिखी गई हैं | जिनमें रेल यात्रा के अनुभवों को चित्रित किया हैं | ग्राम; शहर का जनजीवन इनसे संबंधित विषयों का स्पर्श विवेच्य कहानियों में दिखाई देता है | आतंक की भयावहता, समाज के मानस पटल पर उसका होनेवाला भावनाहीन, शून्य प्रभाव ' शिनाख्त ', ' खैरियत है ' कहानियों में चित्रित किया हैं | शोषण पक्ष का चित्रण ' बास्सा कल्लू गिर का चोगा ', ' कंठ फटी बासुरी ' आदि कहानियों में किया हैं | समाज मन में भीषण रुप से उभरा लिंगभेद का परिचय विवेच्य कहानी में मिलता है | नौकरी रिश्वत देकर खरीदना, लड़की को बोझ समझकर विधुर पति के साथ उसका विवाह करना, परित्यक्ता नारी जीवन, अकेलापन इन विषयों को आधार बनाकर विवेच्य कहानियों के कथानक लिखे गए हैं | गाँवों के दलित वर्ग का जीवन, उनकी मजबूरियाँ, दृष्टिहीन लोगों को समाज द्वारा दी गई सहानुभूति इनका चित्रण विवेच्य कहानियों में किया हैं |

राजनीतिक परिस्थितियों से संबंधित दोहरे व्यक्तित्त्व की नीति अपनानेवाले राजनेताओं का चित्रण ' पब्लिक ' कहानी में तो अवसर को देखकर गिरगिट की तरह रंग बदलनेवाले राजनेता का चित्रण ' संस्कार ' कहानी में दिखाई देता है |

मन की असीम शक्ति का परिचय करानेवाली मनोविज्ञान का प्रभाव दर्शानेवाली ' एक लड़की की मौत ', ' ड्रैकुला ', ' लाशें ' इन कहानियों का चित्रण पाया जाता है |

आर्थिक विपन्नता के कारण वेश्या जीवन को अपना व्यवसाय बनानेवाली ' चीख ' कहानी और अपनी विवशता दर्शानेवाला ' खजांची ' कहानी का नायक जीवन में अर्थ की महत्ता को प्रतिपादित करते हैं |

धर्म पक्ष की अच्छी - बुरी बातों को दृश्य रुप देनेवाली कहानियों का विवेचन ' कुण्ड़लिनी ', ' ओं नमो शिवाय: ',' भेड़ियाधसान ' में किया हैं | विवेच्य कहानियों में धर्म भ्रष्ट करनेवाले भोंदू साधु, पशुहत्या, भीड़ आदि पक्षों पर मार्मिकता से चोट की है | स्वांतसुखाय भक्ति का महत्त्व विवेच्य कहानी में दिखाया है |

निकम्मे लोगों की मानसिकता का हु- ब - हू चित्रण ' कैसे हो पार्टनर ' कहानी में है | महानगरीय जन जीवन का चित्रण ' यही मुंबई है ' कहानी में दिखाई देता हैं | ग्रामीण जीवन की रीतियाँ, पद्धतियाँ, संस्कार, लोककला आदि पक्षों का चित्रण ' वर्ष 2005 ' की ' हंस ' पत्रिका में प्रकाशित कहानियों में किया हैं |' यही मुंबई है ', ' बुध्दू ' इन कहानियों में ' बाल -मनोविज्ञान ' का चित्रण हैं | सांस्कृतिक पक्ष का चित्रण सिर्फ ' घर चलते हैं ड़ार्लिंग ' कहानी में दिखाई देता है |

नारी जीवन के विविध पहलु विवेच्य कहानियों मे दिखाई देते हैं | इनमें नारी के विविध गुणों पर प्रकाश ड़ाला गया हैं | ' प्रेतकामना ' की आत्मनिर्भर नारी ' अणिमा ' | ' मधुबन में राधिका ' की जिद्दी, विक्षिप्त स्वभाव की ' नजमा बाजी ' | ' अनुजा ' की नियति से हताश नायिका |' घर चलते हैं ड़ार्लिंग ' की आदर्श प्राध्यापिका ' नीरजा रतन ' | ' इंतजार ' की आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी चाची | ' प्रतिरोध ' की अकेलेपन से पीड़ित, विवाह - बाहय संबंध रखनेवाली ' नंदिता ' | ' लौटा तो भय ' की ' अंतर्जातीय विवाह ' करनेवाली ' तारा ' | विवेच्य नारी पात्रों के साथ नारी के विविध रुप पत्नी, माँ,

बहन, प्रेमिका, सास आदि रिश्ते - नातों को जिम्मेदारी , पूरी निष्ठा एवं कर्तव्य के साथ वहन करनेवाली नारी पर प्रकाश ड़ाला गया है |

इस प्रकार विवेच्य कहानियाँ मनोरंजन के साथ सत्य की ; यथार्थ की प्रतिष्ठापना भी करती हैं | कई कहानियों के क्लायमैक्स रोचक, नाट्मय, प्रभावी बने हैं | इस प्रकार ' वर्ष 2005 ' की ' हंस ' पत्रिका में प्रकाशित कहानियाँ जीवन के विविध पहलुओं को उजागर करने में सिद्धहस्त बनी हैं |

तृतीय अध्याय : " विवेच्य कहानियों का वर्गीकरण "

हर कहानी अपनी अलग पहचान रखती है | क्योंकि उसकी कोई - न - कोई विशेषता होती हैं | प्रस्तुत अध्याय में विद्वानों द्वारा दिए गए कहानी वर्गीकरण के आधार दिए गए हैं | अध्ययन की सुविधा के लिए विषय के आधार पर कहानियों का वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया हैं |

राजनीतिक विषय से संबंधित कहानियों का वर्गीकरण करते समय राजनीति में सत्ता हथियाने के लिए रचे गए दाँव - पेंच, राजनेताओं का चरित्र - चित्रण ' पब्लिक ' अर्थात् आम जनता का उनके प्रति रवैया इन बातों पर ध्यान केंद्रित किया है | ' तैंतीस परसेंट ' महिला आरक्षण पर केंद्रित कहानी द्वारा नारी जीवन के विविध रूप दिखाई देते हैं |

सामाजिक विषय से संबंधित कहानियों का वर्गीकरण करते समय अध्ययन की सुलभता के लिए ग्रामीण जीवन, नागर जीवन, महानगरीय जीवन और विदेशी समाज जीवन इन प्रकारों में इसे विभाजित किया गया हैं |

ग्राम जीवन के अंतर्गत ग्रामीण जीवन का आधार लोककला को दर्शाते हुए लोककला द्वारा अपनी गृहस्थी चलानेवाले गुसाई का चित्रण किया हैं | धनलोलुप पूँजीपति वर्ग किसानों पर अत्याचार करता है तो नक्सलवादी इसका विरोध करते हैं; इस पक्ष का चित्रण नक्सलवादी जीवन में किया गया हैं | ग्रामों में छात्र चित्रण जीवन पर प्रकाश ड़ालते हुए गरीब छात्रों पर अमीर छात्रों द्वारा उपेक्षित व्यवहार किया जाना यह अमीर छात्रों की मानसिकता बनती है, इसका चित्रण किया हैं |

नागर जीवन में मानव के भौतिक परिवेश में बहुत बदलाव आते हैं | अतः उसमें विशेष रूप से स्वार्थ भाव दिखाई देता है | नारी जीवन के अंतर्गत शहर की भाग - दौड़ में नारियों को एक ओर कैरियर के नाम पर व्यस्त दिखाया है तो वही घर की परिस्थिति को देखकर घुटन महसूस करती नारी का चित्रण किया गया हैं | विवेच्य कहानियों में पति द्वारा अपमानित नारी परंपरा संस्कारों से बँधी पतिपरायण भी दिखाई देती हैं |

महानगरीय जीवन में दृष्टिहीन लोगों को जीवन यापन करते समय आनेवाली परेशानियों का पर्दाफाश किया है | प्रेम के संदर्भ में सच्चा प्रेम और झूठा प्रेम इन दो विरूद्ध पक्षों को दर्शाया हैं | पारिवारिक जीवन का व्यक्ति विकास में बहुत महत्त्व है, इस पक्ष की ओर ध्यान आकृष्ट किया है | वृद्धावस्था के व्याधीग्रस्त जीवन को दर्शाते हुए महानगरों की विभक्त कुटूंब पद्धति के कारण वृद्धावस्था में उभरे हुए अकेलेपन को दिखाया गया है | मजबूरी के कारण पुरूष भी वेश्या जीवन को व्यवसाय बनाते हैं, इसका मार्मिक चित्रण किया गया है |

विदेशी समाज जीवन के अंतर्गत कानून को धोखा देना, लोगों को फँसाना इन दुष्ट प्रवृत्तियों को दिखाया गया है |

धार्मिक जीवन के अंतर्गत धर्म, मजहब, जाति के कारण दंगों का निर्माण होना अनैतिक है | स्वार्थी दुनिया से बचने के लिए भक्ति स्वयं को खुश रखने के लिए करनी चाहिए | मठों की वास्तविकता पर प्रकाश डाला गया हैं | गलत रूढियाँ आड़ंबर हैं, इनका पालन मत कीजिए | इन पक्षों को चित्रित करके समाज का प्रबोधन किया गया हैं |

मनोवैज्ञानिक जीवन के अंतर्गत आत्मविश्वास के साथ जीवन का महत्त्व समझकर जीवन जीना चाहिए | दमित वासनाओं, इच्छाओं की पूर्ति अवैध मार्ग से पूरी करने की कल्पना गलत है, इनसे मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ता है | जीवन अनमोल है अतः मानसिक विकृति का सामना आत्मविश्वास के साथ किया जाता है, इस पक्ष पर प्रकाश ड़ाला गया हैं |

अर्थाभाव के कारण निर्मित जीवन की दुर्दशा का विवेचन विवेच्य कहानियों में दिखाई देता हैं | इतिहास की जानकारी के साथ उसे आज की घटनाओं को कल्पना द्वारा जोड़ना इस हेतु से ऐतिहासिक कहानी का चित्रण किया है |

<u>चतुर्थ अध्याय :- " विवेच्य कहानियों का तात्त्विक विवेचन"</u>

प्रस्तुत अध्याय में कहानी के छः तत्त्वों का विद्वानों - द्वारा दिए गए स्वीकृत तत्त्वों के आधार पर विवेचन किया गया हैं |

विवेच्य कहानियों की कथावस्तुओं में जीवन यापन करनेवाला आम व्यक्ति समाज के अंतरंग सत्यों को दर्शाता हैं | विवेच्य कहानियों का आधार ग्राम्य, सामाजिक जनजीवन से संबंधित विषय हैं | ये कथानक आकर्षक सुंदर हैं | ग्रामीण विषयों का समावेश ' कंठ फटी बासुरी ', ' इंतजार ', ' बुध्दू ', ' बास्सा कल्लू गिर का चोगा ', ' चीख ', इन कहानियों में चित्रित है | महानगरीय व्यवस्था को अस्त - व्यस्त करने के लिए आतंक निर्माण किया जाता है, इस आतंक का चित्रण ' शिनाख्त ', ' खैरियत है ' में किया है | सामाजिक विषय अंतर्जातीय विवाह, अनमेल विवाह इन विषयों की सत्यता उनके गंभीर परिणामों की चर्चा विवेच्य कहानियों में चित्रित हैं | नक्सलवाद के संदर्भ में कहानियाँ लिखी गई हैं, जिनमें नक्सलवादी जीवन का चित्रण किया है | विवेच्य कहानियों में करूणा, संघर्ष, भावप्रधानता इन त्रिधाराओं का समावेश अधिकतर कहानियों में दिखाई देता हैं |

पात्र चरित्र - चित्रण के अंतर्गत विवेच्य कहानियों में अधिकतर पात्रों के व्यक्तित्व की जानकारी उनके वार्तालाप द्वारा दी गई हें | ग्रामीण पात्र संघर्ष और करूणा इन जीवन के पहलुओं द्वारा कहानियों में जान भरते हैं | विशेषतः नारी पात्रों का बाहुल्य विवेच्य कहानियों में दिखाई देता हैं | पात्रों के चरित्र - चित्रण से उनके आंतर - बाह्य गुणों की जानकारी उपलब्ध होती हैं | ' बास्सा कल्लू गिर का चोगा ' कहानी में पात्रों का चरित्र - चित्रण संकेत द्वारा किया गया हैं | विवेच्य कहानियों में चित्रित राजनीतिक पात्र यथार्थवादी प्रतीत होते हैं |

विवेच्य कहानियों के संवाद मार्मिक, प्रसंगानुसार छोटे या बड़े दिखाई देते हैं | इन कथोपकथन के द्‌वारा पात्रों का चरित्र - चित्रण किया गया है | जिससे संवाद आकर्षक एवं सजीव प्रतीत होते हैं | ऐसी कहानियों में लेखक द्‌वारा वर्णित पात्रों की क्रियाशीलता, घटनाओं का वर्णन ही चरित्रों के चित्रण पर प्रकाश ड़ालते हैं | जैसे - ' उलटबांसी ', ' चीख ' कहानियाँ | कई कहानियाँ कथोपकथन के सहारे ही आगे बढ़कर पूर्ण होती हैं ; जैसे - ' शिनाख्त ', कहानी | विवेच्य कहानियों के संवाद भावप्रधान नाट्यमय हैं | संवाद पात्रानुकूल परिस्थितिनुकूल, प्रसंगानुकूल, दिखाई देते हैं | संवाद कहानी के संवाहक बन गए है |

देश - काल - वातावरण विवेच्य कहानियों की प्रमुख विशेषता है | अधिकतर कहानियों में महानगरीय वातावरण चित्रित है | ऐतिहासिक वातावरण का चित्रण ' लेफ्टिनंट हॉड़सन ' कहानी में दिखाई देता हैं | पारिवारिक वातावरण का चित्रण ' बेतरतीब ', ' लौटा तो भय ' आदि कहानियों में किया गया हैं | विदेशी वातावरण का चित्रण ' अनुजा ' कहानी में दिखाई देता है | विवेच्य कहानियों के खंड़ चित्र देश - काल - वातावरण को अभिव्यक्ति देने में सशक्त दिखाई देते हैं |

' भाषा ' की दृष्टि से विवेच्य कहानियों में बृहत् मात्रा में ' अंग्रेजी शब्द ' का प्रयोग किया गया हैं | कई कहानियों में मुहावरों का प्रयोग किया हैं | विशेष रूप से अंग्रेजी के सार रूपों का प्रयोग ' दृष्टि ' कहानी में किया गया हैं | विवेच्य कहानियों की भाषा विशेषतः पात्रानुकूल, परिस्थितिनुकूल, प्रसंगानुकूल चित्रित हैं | ग्रामीण भाषा का प्रयोग भी विवेच्य कहानियों में दिखाई देता हैं | भाषा भावबोध प्रवाहमयी दिखाई देती है |

विवेच्य कहानियाँ ' शैली ' की दृष्टि से पूर्ण समर्थ बनी हैं | ' ड्रैकुला ' कहानी में ' बयान ' शैली का सूत्रपात किया है | घटनाओं का विकास करना, भावों को विशद करना इन पक्षों पर शैली विवेच्य कहानियों में विशिष्ट प्रभाव दर्शाती हैं | कुछ कहानियों में किस्सागोई शैली तथा कुछ कहानियों में ' प्रथम पुरूष एकवचन ' शैली का प्रयोग किया गया हैं | वर्णनात्मक तथा पूर्वदीप्ति शैलियों का और मिश्रित शैली का भी प्रयोग विवेच्य कहानियों में दिखाई देता है |

विवेच्य कहानियों का उद्देश्य मानवी जीवन के विविध धरातलों को दर्शाते हुए समाज जीवन का यथार्थदर्शी चित्रण करना हैं जो चिंतन करने के लिए पाठकों को प्रेरित करते हैं | विवेच्य कहानियों में चित्रित समस्याओं के गंभीर परिणामों से समाज को परिचित कराना उद्देश्य रहा है |

पंचम् अध्याय :- " विवेच्य कहानियों में चित्रित समस्याएँ "

विवेच्य कहानियों में चित्रित समस्याएँ लेखकों द्वारा निरीक्षण किए गए, भोगे हुए यथार्थ के रूप में प्रकट हुई हैं |

राजनीतिक समस्या के अंतर्गत ' मुखौटेबाज राजनेता ' की समस्या नेताओं का रक्षक के रूप में भक्षक होने की प्रवृत्ति के कारण निर्माण हुई हैं |

सामाजिक समस्याओं का चित्रण विवेच्य कहानियों में बृहत् मात्रा में किया गया हैं | अंतर्जातीय प्रेम विवाह की समस्या मे समाज की अस्वीकृति दिखाई देती है |

यात्रा करते समय यात्रियों की होनेवाली असुविधा की समस्या भीड़, असावधानी, टी.सी. की रिश्वतखोरी प्रवृत्ति आदि कारणों से निर्माण हुई हैं |

नक्सलवादियों की समस्या आम जनता और पुलिस द्वारा इनकी भूमिका ही न समझना और पूँजीपति वर्ग द्वारा अन्याय करना इन कारणों से निर्माण हुई है |

दृष्टिहीन लोगों की समस्या समाज का उनके प्रति असंवेदनशील व्यवहार, दृष्टिहीन लोगो की मानसिकता आदि के कारण निर्माण हुई है |

परित्यक्ता की समस्या पति द्वारा पत्नी पर किए गए अनुचित शक के कारण निर्माण हुई हैं |

अनमेल विवाह की समस्या माता - पिता द्वारा बेटी को बोझ समझना, विवाह के समय पत्नी और उसके पति की आयु में बहुत अंतर होना इन कारणों से निर्माण हुई हैं |

अवैध यौन समस्या जीवन साथी द्वारा यौन सुख की तृप्ति न होना, अमीर लोगों की फैशनपरस्त दुनिया में इसको बढ़ावा मिलना इन कारणों से निर्माण हुई हैं |

स्वार्थांधता के कारण मानवता को तिलांजलि देनेवाली समस्या निर्माण हुई हैं | वर्चस्व प्रवृत्ति दिखाने से गुंड़ई प्रवृत्ति निर्माण हुई हैं |

प्रेम में धोखा देने या घरवालों से विरोध होने के कारण असफल प्रेम की समस्या निर्माण हुई है | उपर्युक्त सामाजिक समस्याएँ गंभीर है |

धार्मिक समस्या के अंतर्गत अंधविश्वास की समस्या का चित्रण हुआ है | ग्रामीण भागों में रहनेवाले लोग तो अंधविश्वास में फँसते ही हैं लेकिन नगरों में रहनेवाले शिक्षित लोग भी अंधविश्वास में फँसते हैं | विज्ञान पर आधारित दृष्टिकोण का अभाव ही अंधविश्वास को जन्म देता है | स्वार्थांधता, प्रतिष्ठा पाने की लालसा के कारण मठों में अनाचार फैलने की समस्या निर्माण होती हैं | पाखंड़ी साधुओं की गुनहगारी प्रवृत्ति का भंड़ाफोड़ विवेच्य समस्या द्वारा किया गया है | धर्म, मजहब के कारण आतंकवाद की समस्या निर्माण होती है |

आर्थिक समस्या की दृष्टि से शोषण की समस्या का चित्रण किया है | यह समस्या आम लोगों पर अन्याय करने की मानसिकता बनने से निर्माण होती है | नौकरी पाने की लालसा एवं भ्रष्ट अधिकारियों के कारण नौकरी खरीदने की समस्या निर्माण हो गई है |

मनोवैज्ञानिक समस्या के अंतर्गत दमित इच्छाओं को स्वप्नों द्वारा पूरा करना; फलित होते देखना, भ्रम का शिकार होना, अतिकल्पना करना इन कारणों से अचेतनग्रस्त समस्या निर्माण हुई है | दो समान आवश्यकताओं की पूर्ति एक साथ हो इस स्थिति में अंतर्द्वंद्व की समस्या निर्माण हुई है | वृद्धावस्था मे अकेलेपन की समस्या जीवनसाथी की मृत्यु और बच्चों की विभक्त परिवार पद्धति के कारण निर्माण हुई हैं |

प्रशासकीय समस्या के अंतर्गत सरकार पक्ष से संबंधित नौकरी के नवीनीकरण की समस्या सरकार द्वारा अधिक मात्रा में लोगों को नौकरी मिलने और सरकारी पैसों का व्यय कम मात्रा में होने के उद्देश्य से निर्माण हुई हैं | प्रस्तुत समस्या का यथार्थ चित्रण विवेच्य कहानी में किया है |

इस प्रकार विवेच्य कहानियों में चित्रित समस्याएँ परिणाम के संदर्भ में चिंतन - मनन करने के लिए बाध्य करते हुए इनका निर्माण ही न हो इसलिए प्रवृत्त करती हैं | संस्कृति और शिक्षा पक्ष से संबंधित समस्याएँ प्रस्तुत वर्ष बिल्कुल अछूती रह गई हैं |

प्रस्तुत शोध - कार्य की उपलब्धियाँ :-

' वर्ष 2005 ' की ' हंस ' पत्रिका में प्रकाशित कहानियों का अध्ययन करने के पश्चात् जो महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं, वे इस प्रकार हैं |

1. विवेच्य कहानीकारों ने भोगे हुए यथार्थ का चित्रण अपनी कहानियों में किया हैं |
2. राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक परिस्थितियों का चित्रण कहानीकारों ने बेबाकी से किया है |
3. विवेच्य कहानियों के शीर्षक, चुस्त, आकर्षक, एक शब्दोंवाले, कही बड़े, कथानक के केंद्रबिंदु पर आधारित हैं |
4. विवेच्य कहानियों के नारी पात्र पलायनवादी न होकर जीवन में संघर्ष करते हैं |
5. विवेच्य कहानियों के कहानीकार अधिकतर सामाजिक क्षेत्र में ही रमा है, समाज को उसने गंभीरता से देखा है, उन्हीं बातों पर प्रकाश ड़ाला हैं |
6. विवेच्य कहानियों के कहानीकार सुप्रसिद्ध हैं एवं प्रत्येक कहानी के लेखक अलग - अलग हैं |
7. विवेच्य कहानियों में प्रकाशित विचार समाज को चिंतन - मनन करने के लिए बाध्य करते हैं |
8. विवेच्य कहानियाँ सामान्य लोगों के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने का संदेश देती हैं |

अनुसंधान की नई दिशाएँ :-

प्रत्येक अनुसंधान के विषय की अपनी सीमा होती हैं फिर भी किसी भी विषय का अध्ययन अंतिम नहीं होता | नये दृष्टिकोण, नये विचार के कारण प्रत्येक विषय को विविध नजरियों से देखा जा सकता हैं | जैसे -

1. ' हंस ' के कहानी - साहित्य का अनुशीलन |
2. ' हंस ' के कहानी - साहित्य में चित्रित नारी - विमर्श |
3. ' हंस ' की कहानियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन |
4. ' हंस ' की कहानियों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन |
5. ' हंस ' की कहानी साहित्य का शैली वैज्ञानिक अध्ययन |

उपर्युक्त विषय मुझे अध्ययन के उपरांत प्राप्त हुए हैं | जिन पर स्वतंत्र रूप से अनुसंधान हो सकता हैं | अत: मेरे अपने शोध - विषय की सीमा है, जिससे ऊपर विवेचित विषयों को स्पर्श नहीं कर सकी | भविष्य में आनेवाले शोधार्थी इन विषयोंपर शोध - कार्य संपन्न कर सकते हैं |